समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

RBI का दिवाली तोहफा : सस्ते होंगे होम-ऑटो लोन, बढ़ेगी नौकरियां

Publisher

Published on 16 May 2025

जून से लेकर दिवाली तक RBI कर सकता है रेपो रेट मे 0.50% की कटौती, आर्थिक मोर्चे पर राहत।

नई दिल्ली | भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) की आगामी मौद्रिक समीक्षा बैठकें आम जनता के लिए बड़ी राहत लेकर आ सकती हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, **RBI जून से लेकर दिवाली तक रेपो रेट मे 0.50 प्रतिशत तक की कटौती** कर सकता है। इससे न केवल **होम लोन और ऑटो लोन सस्ते** होंगे, बल्कि बाजार में **रोजगार के नए अवसर भी पैदा** हो सकते हैं।

फरवरी और अप्रैल मे पंहले ही हो चुकी है कटौती

इस साल फरवरी और अप्रैल की बैठकों में RBI ने **25-25 बेसिस प्वाइंट की कटौती** कर पहले ही राहत दी थी। अब एक बार फिर **जून 4-6** के बीच होने वाली बैठक में 0.25 प्रतिशत की और कटौती की संभावना है। इसके बाद **अगस्त और सितंबर** में और भी कटौतियां संभव मानी जा रही हैं।

क्या कहती है रिपोर्ट्स ?

SBI की रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में कुल **125 बेसिस प्वाइंट** तक की कटौती की संभावना है। इसमें से **75 बेसिस प्वाइंट की कटौती जून-अगस्त** में और **50 बेसिस प्वाइंट वित्तीय वर्ष की दूसरी छमाही** में हो सकती है। इसका सीधा फायदा **मध्यम वर्ग** और **खुदरा ग्राहकों** को मिलेगा।

कैसे पड़ेगा असर ?

- **रेपो रेट मे कंटौती** का मतलब है बैंकों को RBI से सस्ता कर्ज मिलेगा।
- इससे बैंकों के **होम लोन, ऑटो लोन और पर्सनल लोन की ब्याज दरे घंटेगी।**
- आम जनता की **EMI मे कंमी** आएगी, जिससे खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी।
- **रियल एस्टेट और ऑटोमोबाइल सेक्टर** में डिमांड बढ़ेगी।
- अर्थव्यवस्था को **बूस्ट** मिलेगा और **रोजगार के मौके** बनेंगे।

रेपो रेट होता क्या है ?

रेपो रेट वह दर है जिस पर RBI बैंकों को कर्ज देता है। इसका सीधा असर बैंकों की **लोन देने की दरों पर** पड़ता है। यदि रेपो रेट घटता है तो बैंक कम ब्याज पर कर्ज दे सकते हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.